न हि कश्चित्क्षणमपि जातुतिष्ठत्यकर्मकृत।
कार्यते ह्यवशः कर्म सर्वः प्रकृतिजैर्गुणैः।।

राष्ट्रीय संगोष्ठी - 2023

महारानी श्री जया राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भरतपुर द्वारा आयोजित
एवं
राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर द्वारा प्रायोजित

विषय : श्रीमद्भगवद्गीता में प्रतिपादित कर्मयोग एवं वर्तमान में इसकी प्रासङ्गिकता

दिनांक : 09-10 सितम्बर 2023

आयोजन स्थल : केन्द्रीय सभागार
महारानी श्री जया राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भरतपुर (राज.)
मो. 9414303486, 9529720995, ई-मेल : geetanc2023@gmail.com

आयोजन स्थल पर पहुँचने के लिए स्कैन करें।

भरतपुर : एक परिचय

राजस्थान के पूर्वी प्रवेश द्वार के रुप में प्रख्यात भरतपुर शहर लोहागढ के नाम से प्रसिद्ध है। इसकी स्थापना प्रतापी राजा सूरजमल जी ने सन् 1733 ई. में की थी। ऐसी मान्यता है कि आयोध्या के राजा श्रीराम के अनुज भरत के नाम पर इसका नाम करण किया गया। ऐसा भी कहा जाता है कि मिट्टी का भरथ (जमाव) होने के कारण इसे भरतपुर कहा जाता था। भरतपुर एक ओर जहाँ अपने शौर्य एवं इतिहास के लिए प्रसिद्ध है, वहीं इसे पक्षियों की नगरी के रुप में भी जाना जाता है। पक्षियों की स्वर्गस्थली केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान (घना) ने विश्व धरोहर के रुप में भरतपुर को नई पहचान प्रदान की है। यह शहर चारों ओर से प्राकृतिक सौन्दर्य से घिरा हुआ रमणीक स्थल है। यहाँ के प्रमुख आर्कषण - लोहागढ़ दुर्ग, जवाहर बुर्ज, राजकीय संग्रहालय तथा आस्था के केन्द्र के रुप में बिहारी जी का मन्दिर, गंगा माता जी का मन्दिर, श्री लक्ष्मण जी की मन्दिर तथा जामा मस्जिद दर्शनीय हैं। बौद्धिक केन्द्र के रुप में यहाँ हिन्दी साहित्य समिति है जहाँ पर मुद्रित ग्रन्थों के अलावा हस्तलिखित पाण्डुलिपियाँ तथा अनेक दुर्लभ ग्रन्थ संग्रहीत हैं।

महाविद्यालय का परिचय

महारानी श्री जया राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय भरतपुर, राजस्थान के पूर्वांचल का प्राचीनतम महाविद्यालय है। इस महाविद्यालय की स्थापना एक इण्टरमीडियेट कॉलेज के रुप में महाराजा सवाई श्री बृजेन्द्र सिंह जी द्वारा उनकी पत्नी महारानी श्रीमती श्री जया के सम्मान में सन् 1941 में की गई थी। सन् 1947 में यह महाविद्यालय स्नातक स्तर तक क्रमोन्नत किया गया। लगभग 50 एकड के क्षेत्र में विस्तृत इस महाविद्यालय का निर्माण क्षेत्र लगभग 10000 वर्गमीटर है। वर्तमान में लगभग 7000 विद्यार्थी विविध संकायों में विद्याध्ययन कर रहे हैं। 17 विभागों में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित हैं तथा 105 सहायक आचार्य/सह आचार्य एवं आचार्यशिक्षण कार्य में रत हैं। वर्तमान में विभिन्न संकायों में 36 आचार्य कार्यरत हैं, जो कि कॉलेज शिक्षा विभाग, राजस्थान के लिए गौरव का विषय हैं। महाविद्यालय में एन.सी.सी., एन.एस.एस. एवं स्काउट गाइड की इकाईयाँ सतत् कार्यरत हैं। अध्ययनरत विद्यार्थियों ने न शैक्षणिक स्तर पर अपितु सह-शैक्षणिक गतिविधियों में भी विशेष कीर्तिमान स्थापित किए हैं।

राजस्थान संस्कृत अकादमी : एक परिचय

संस्कृत भाषा एवं साहित्य के संरक्षण, विकास एवं प्रोत्साहन के लिए सतत् प्रयत्नशील राजस्थान संस्कृत अकादमी की स्थापना वर्ष 1980 में संस्कृत दिवस के अवसर पर राजस्थान सरकार द्वारा की गई। संस्कृत वाङ्मय में अन्तर्निहित ज्ञान का प्रकाशन एवं अन्य भाषाओं में अनुवाद, देश की भावनात्मक एकता की दृष्टि से उपयुक्त संस्कृत साहित्य का प्रचार-प्रसार, सुदूर अंचल में फैली हुई, संस्कृत-पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन एवं सवर्धन इत्यादि अनेक महत्त्वपूर्ण कार्य अकादमी द्वारा संचालित हैं। एतदर्थ अकादमी प्रदेशभर में विभिन्न महत्त्वपूर्ण विषयों पर गोष्ठियाँ, कार्यशालाऐं, जयन्तियाँ, संस्कृत कवि सम्मलेन, रचनाधर्मिता शिविर आदि का आयोजन करवाती है। मौलिक लेखन को प्रोत्साहन देने की दृष्टि से प्रतिवर्ष अखिल भारतीय तथा राज्यस्तरीय पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान करती है। त्रैमासिक पत्रिका 'स्वरमंगला' में प्रकाशित संस्कृत वाङ्मय के गूढ़ विषयों पर गम्भीर चिन्तन से अध्येता निरन्तर लाभान्वित हो रहे हैं।

संगोष्ठी का परिचय एवं उद्देश्य

'श्रीमद्भगवद्गीता में प्रतिपादित कर्मयोग एवं वर्तमान में प्रासङ्गिकता के विषय पर आयोजित प्रस्तुत द्विविसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में पुरुषोत्तम भगवान की कृष्ण के मुखारविन्द से नि:सृत भगवद्गीता के मूल प्रतिपाद्य कर्मयोग का सम्यक अध्ययन एवं वर्तमान आधुनिक मनुष्य-जीवन की समस्याओं के निराकरण में कर्मयोग की उपादेयता एवं प्रासङ्गिकता पर विविध विद्वानों एवं विषय - विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, गीतानुरागियों एवं शोधकर्ताओं को विचाराभिव्यक्ति हेतु एक अकादमिक मंच प्रदान करना है।

संगोष्ठी के विषय से संम्बन्धित उपविषय

1. कर्मयोग का उद्भव एवं विकास। 2. वैदिक साहित्य एवं कर्मयोग। 3. भारतीय दर्शन एवं कर्मयोग। 4. भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में कर्मयोग। 5. कर्मयोग का वैज्ञानिक दृष्टिकोण। 6. जीवन प्रबन्धन एवं कर्मयोग। 7. मनुष्य कल्याण में कर्मयोग की उपादेयता। 8. मनुष्य जीवन की समस्याओं का समाधान एवं कर्मयोग। 9. गीता के विविध भाष्य : कर्मयोग का अध्ययन। 10. कर्म प्रबन्धन एवं पर्यावरण सन्तुलन। 11. विविध ग्रन्थों के आधार पर कर्मयोग का तुलनात्मक अध्ययन। 12. योग : कर्मसु कौशलम् के आधार पर कर्मयोग। 13. विश्व शान्ति एवं उन्नति का मार्ग : गीता में प्रतिपादित कर्म सिद्धान्त। 14. परम पुरुषार्थ की प्राप्ति में कर्मयोग की महत्ता। 15. गीता में प्रतिपादित कर्मयोग की उपजीव्यता।

शोध - पत्र आमन्त्रण हेतु नियम

राष्ट्रीय संगोष्ठी - 2023 के लिए निर्धारित विषय पर शोध पत्र एवं शोधसार आमन्त्रित किए जाते हैं। जो भी प्रतिभागी शोध पत्र वाचन करने के इच्छुक हैं, वे अपना शोधपत्र दिनांक 25 अगस्त 2023 तक हिन्दी के लिए कृतिदेव -10, फॉन्ट साइज - 12 तथा अंग्रेजी में **Times New Roman, Font Size - 12. MS-Word** में शब्द सीमा 1500 से 2500 तक विधिवत रुप से टाईप कराकर निम्न पते पर प्रेषित करें - मेल आई डी : geetanc2023@gmail.com | सभी प्रतिभागी सोविनियर हेतु अपना शोधसार **(Abstract)** दिनांक 20 अगस्त 2023 तक आवश्यक रुप से प्रषित करें। शोधसार की अधिकतम शब्द सीमा 200 शब्द होनी चाहिए। सभी प्रतिभागी अपना नाम , पद, पता, मोबाईल नम्बर, ई-मेल आईडी, पदस्थापन का नाम आदि शोध पत्र एवं शोध सार में स्पष्ट रुप से लिखकर भेजें ताकि प्रमाण - पत्र में सही लिखा जा सके।

ध्यातव्य है कि संगोष्ठी में प्रस्तुत विषय से सम्बन्धित उत्कृष्ट शोधपत्रों का प्रकाशन अतिशीघ्र **ISBN** युक्त पुस्तक के रुप में राजस्थान संस्कृत अकादमी द्वारा किया जायेगा।

संगोष्ठी शुल्क :

सभी प्रतिभागियों के लिए संगोष्ठी शुल्क 700/- रुपये निर्धारित है।

ऑनलाइन पेमेन्ट के लिए स्कैन करें।

पंजीकरण का तरीका

ऑनलाइन पंजीकरण की सुविधा के लिए निम्न लिंक पर गूगल फार्म भरें

पंजी करण लिंक - https://forms.gle/4RWQccpyd4EgTSUh6

नोट : - 1. संगोष्ठी के प्रथम दिवस 9 सितम्बर 2023 को संगोष्ठी स्थल पर पंजीकरण की सुविधा रहेगी।
2. पंजीकरण शुल्क के अन्तर्गत प्रतिभागी को पंजीकरण किट, चाय, स्वल्प आहार एवं दोपहर का भोजन शामिल है।
3. प्रमाण - पत्र केवल पंजीकृत प्रतिभागियों को ही दिया जायेगा।

Bank Details

Name of The Beneficiary	:	MAHAVIDHAYALA VIKAS SAMITI
Bank Name	:	IDBI BANK
Branch	:	KUMHER GATE, BHARATPUR
A/c No.	:	0355104000058973
IFSC Code	:	IBKL0000355

मुख्य - संरक्षक

डॉ. ओमप्रकाश सोलंकी
प्राचार्य - एम.एस.जे. कॉलेज (भरतपुर)

संरक्षक

डॉ. हरवीर सिंह
आचार्य - राजनीति विज्ञान

डॉ. इला मिश्रा
आचार्य - हिन्दी विभाग

सह- संरक्षक

डॉ. सुनीता कुलश्रेष्ठ
आचार्य - हिन्दी

श्री सी.एम.कोली
संस्कृत विभागाध्यक्ष

संयोजक एवं आयोजन सचिव

डॉ. महेश कुमार गुप्ता
आचार्य - गणित

सह - संयोजक

श्रीमती डिम्पल जैसवाल
सहायक आचार्य (संस्कृत)

समन्वयक

डॉ. आर.एस. शेखावत
आचार्य (दर्शनशास्त्र)

श्रीमती रेखा देवी शर्मा
सह-आचार्य (संस्कृत)

सह समन्वयक

श्रीमती राजकुमारी
सह आचार्य (संस्कृत)

डॉ. रामबाबू
सहायक आचार्य (संस्कृत)

सलाहकार समिति

1. डॉ. सरोज कोचर - अध्यक्ष : राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
2. डॉ. राजकुमार जोशी - निदेशक, राजस्थान संस्कृत अकादमी, जयपुर
3. श्री कृष्ण शर्मा - आचार्य, सेवानिवृत्त (संस्कृत) जयपुर।
4. डॉ. मृदुला गर्ग - आचार्य, सेवानिवृत्त (गणित) जयपुर।
5. डॉ. मृदुला पुरोहित - आचार्य (गणित) जयपुर।
6. डॉ. गोविन्दराम चरोरा - सेवा निवृत्त सह-आचार्य (संस्कृत), डीग
7. डॉ. जे.सी. नारायण - आचार्य (संस्कृत) अलवर
8. श्री अशोक कुमार अग्रवाल - सह आचार्य (भौतिक शास्त्र) भरतपुर
9. श्री सुनीता पाण्डेय - आचार्य (प्राणिशास्त्र) भरतपुर
10. डॉ. सन्तोष गुप्ता - आचार्य (इतिहास) भरतपुर।
11. डॉ. अशोक कुमार गोयल - आचार्य (गणित) भरतपुर।
12. डॉ. लक्ष्मीकान्त गुप्ता - आचार्य (रसायनशास्त्र) भरतपुर।
13. डॉ. सीमा चौधरी - आर्चाय (संस्कृत) राज.महा. बूँदी।
14. डॉ. धर्मेन्द्र सिंह - सहायक आचार्य (IIT, धनबाद), भरतपुर
15. डॉ. रिन्कू मित्तल - सहायक आचार्य (यान्त्रिकी) IIT, गुवाहाटी
16. डॉ. अंजना शर्मा - सह आचार्य (संस्कृत) वनस्थली विद्यापीठ राज.
17. डॉ. चतुर सिंह - सहायक आचार्य (हिन्दी) भरतपुर
18. श्री योगेश शर्मा - इतिहास विभाग, राजकीय महाविद्यालय, तिजारा, अलवर
19. श्री कृष्णपाल सिंह - सहायक आचार्य, भरतपुर
20. डॉ. विनीता - आचार्य (गणित) मुम्बई।
21. श्री गिरीश मिश्रा - (रिसर्च ऐसोसिएट) दिल्ली
22. डॉ. जितेन्द्र सिंह - आचार्य राज. विज्ञान, भरतपुर
23. डॉ. सुभाष आला - सहायक आचार्य, हैदराबाद
24. डॉ. कमलेश - सह आचार्य, प्राणी विज्ञान, भरतपुर
25. डॉ. अर्चना सिंह - आचार्य वनस्पति शास्त्र, भरतपुर
26. श्रीमती सरिता सिंह - सहायक आचार्य अर्थशास्त्र, भरतपुर
27. डॉ. अशोक कुमार तोमर - आचार्य समाजशास्त्र, भरतपुर
28. श्री अरविन्द सिंह - सह आचार्य, भरतपुर
29. डॉ. आर.एन. शर्मा - प्राचार्य सेवानिवृत्त कॉलेज शिक्षा, भरतपुर
30. डॉ. उमेशचन्द्र शर्मा - प्राचार्य सेवानिवृत्त कॉलेज शिक्षा, भरतपुर

ठहरने हेतु आवास की व्यवस्था पूर्व में सूचित करने पर ही स्वयं के खर्चे पर की जायेगी। सम्पर्क : श्री हेमन्त कुमार-सहायक आचार्य गणित - 7733060304